



स्व.श्री राजा उमेश्वर शरण सिंहदेव जी

जन्म - 10 अक्टूबर 1940 निर्वाण - 21 मई 2019

श्रद्धेय
स्व. श्री राजा उमेश्वर शरण सिंहदेव जी
(श्री यू.एस.बाबा)
की सातवीं पुण्यतिथि पर



शत-शत नमन एवं

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि



श्रद्धांजलि सभा

दिनांक : 21 मई 2026
स्थान : सरगवां द पैलेस रिसॉर्ट
समय : दोपहर 5:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक



इफको सहकारिता बंधु पुरस्कार

सरगुजा राजपरिवार में जन्मे श्री राजा उमेश्वर शरण सिंहदेव सब के दिलों में सदैव बसे रहेंगे। अपनी सादगी सरलता व सहजता के कारण वे दूसरे राजनीतिक दलों के लोगों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत थे। राजपरिवार में जन्म लेने के बाद भी वे अपने आप को किसान ही समझते थे। कृषि के क्षेत्र में रुचि ने ही उन्हें सरगुजा में सहकारिता का जनक बना दिया था। स्व. श्री राजा उमेश्वर शरण सिंहदेव जी को सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वोच्च इफको सहकारिता बंधु पुरस्कार मिला था।



स्व. राजा आ.श्री उमेश्वर शरण सिंहदेव जी के मार्गदर्शन में "संकल्प 2025" नाम से कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें सरगुजा संभाग के कृषकों को आधुनिक कृषिक तकनीकों एवं सब्जी वर्गी फसलों की प्रगतिशील खेती से किसानों को जोड़ा। जिसने सरगुजा संभाग को खेती को एक नए आयाम तक पहुंचाया। उसी सार्थक पहल ने सरगुजा संभाग के किसानों के बीच में नवाचार को प्रदान किया जो कि एक वृद्ध रूप में करजी फार्म द्वारा आयोजित "संकल्प 2026" के रूप में एक राष्ट्रीय स्तर के कृषि मेला के 16 राज्य में लगभग 15000 कृषकों ने हिस्सा लिया।
करजी फार्म - प्रो. राकेश गुप्ता

स्व. राजा आ.श्री उमेश्वर शरण सिंहदेव जी ने कृषि और सहकारिता को नई ऊंचाइयां दी। सरगुजा में आधुनिक खेती का जनक उन्हें कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। सरल सहज यूएस बाबा लोगों के दिल पर राज किया करते थे। उन्होंने राजा के बजाय एक किसान के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। पिछड़े कहे जाने वाले सरगुजा संभाग में सहकारिता के माध्यम से कृषि को नई दिशा देने का श्रेय भी उनके नाम है।
बालकृष्ण पाठक
जिला कार्यक्षेत्र, सरगुजा

आदरणीय यू.एस. सिंहदेव जी के व्यक्तित्व के बारे में क्या बतायें शब्द कम पड़ जायेंगे मृदुभाषी, मिलनसार, मददगार, निश्चल व्यक्तित्व के धनी थे, जिला सहकारी बैंक सरगुजा के लम्बे समय तक अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष रहे उनके सानिध्य में गुजरे पल समृति शेष हैं जो जीवन पर्यन्त रहेंगे, जीवन के इस पड़ाव तक पहुंचने में जहां सुख, समृद्धि सब कुछ है उनका बहुत बड़ा योगदान है उनके पुण्यतिथि पर सपरिवार सादर श्रद्धांजलि
आपका
देवेन्द्र सिंह

सरगुजा में सर्वप्रथम विदेशी नस्ल की जर्सी गाय के गौशाला की स्थापना
“भारत कृषक समाज” का गठन कर आधुनिक कृषि के लिए लोगों को किया प्रेरित



स्व. श्री राजा उमेश्वर शरण सिंहदेव ने जयपुर विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में एमएससी व एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की थी। जब उन्होंने यह पढ़ाई की थी तब वह किसी भी सरकारी उच्च पद पर जा सकते थे पर उन्होंने सरगुजा में कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में अपने आप को स्थापित कर दिया। भारत कृषक समाज' का गठन कर उन्होंने बड़ी संख्या में आधुनिक कृषि करने वाले लोगों को जोड़ा और प्रेरित किया। आज भी यह संगठन जीवित हैं और बड़ी संख्या में किसान इससे जुड़कर अपना विकास कर रहे हैं तथा लाभान्वित हो रहे हैं।



राजपरिवार में जन्म लेकर भी
स्व. श्री राजा उमेश्वर शरण सिंहदेव
ने सादगी, सरल व सहज व्यक्तित्व की जो छाप छोड़ी
उसका हर कोई कायल है। ऐसे पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक के
सातवीं पुण्यतिथि पर शत-शत नमन...



स्व. राजा उमेश्वर शरण सिंह देव के बताए गए रास्तों पर चलकर उनके पुत्र विंध्येश्वर शरण सिंहदेव (विंकी बाबा) वृन्दावन कृषि फार्म, गोकुल डेयरी, पिगरी, मछली पालन एवं बकरी पालन का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। लोगों के मांग के अनुरूप आदरणीय यूएस बाबा के सपनों को साकार करते हुए सरगवां द पैलेस रिसोर्ट का आदरणीय टी. एस. बाबा के द्वारा दिनांक 30 अप्रैल 2023 को शुभारम्भ किया गया।
सरगवां द पैलेस रिसॉर्ट में आम लोगों के बजट के अनुरूप ACरूम भव्य AC बैंकेट व गार्डन पूरी तरह पारिवारिक माहौल में उपलब्ध हैं

SARGAWA The Palace Resort Raja US SinghDeo Marg Ambikapur, Dist - Surguja (C.G.)

